nwda.gov.in

पर्यावरण प्रहरी बनकर सतत विकास को गति दे रहा सीमा पर बसा गांव

दरकते पहाड़ों की पारिस्थितिकी संरक्षित करने को उत्तरकाशी जिले के झाला गांव में युवाओं ने छेड़ा विशेष सफाई अभियान

जागरण विशेष
प्रथम गांव

शैलेंद्र गोदियाल • जागरण

उत्तरकाशी: चीन सीमा के निकट वाइब्रेंट विलेज में शामिल उत्तरकाशी जिले का झाला गांव पर्यावरण प्रहरी बनकर सतत विकास को भी गति दे रहा है। दरकते पहाड़ों की पारिस्थितिकी संरक्षित करने के लिए यहां युवा प्रतिदिन दो घंटे स्वच्छता अभियान चलाते हैं। इसके तहत वह गांव के सभी 140 घरों और बाजार से कचरा एकत्र कर संग्रहण केंद्र पहुंचाते हैं। इस दौरान प्लास्टिक युक्त अजैविक कचरे पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विकास और सुविधाओं के साथ ग्रामीणों का दैनिक स्वच्छता मंत्र अन्य के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

भागीरथी नदी के किनारे स्थित झाला गांव जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से 70 किमी दूर है। यह हर्षिल घाटी के प्रमुख गांवों में शामिल है। इससे गंगोत्री की दूरी 30 किमी है। गांव के निकट चारधाम यात्रा का यात्री पड़ाव भी है। इस गांव में हर तरफ साफ-सफाई नजर आती है। झाला बाजार से झाला गांव को जोड़ने वाला मार्ग ही नहीं, गांव का हर घर-आंगन और गलियां कूड़ा-कचरा मुक्त हैं। झाला, उत्तरकाशी जिले का पालीथिन मुक्त गांव बनने की श्रेणी में भी पहली पायदान पर है। यह सब संभव हो पाया गांव के युवक मंगल दल के अध्यक्ष अभिषेक रौतेला के प्रयासों से। उन्होंने गांव को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया तो उपाध्यक्ष अभिराज रौतेला, प्रियांशु रौतेला, अमित शाह, प्रवेश रौतेला व कोषाध्यक्ष सूरज रौतेला सहित 19 अन्य युवा भी उनके इस संकल्प से जुड़ गए और इस साझा पहल को नाम दिया गया 'धन्यवाद प्रकृति अभियान'। अभियान से गांव की प्रधान सुरजा देवी और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तनुजा उनियाल भी जुड़ी हैं।

इस तरह बढ़ रही आर्थिकी: महिला स्वयं सहायता समूह सोमेश्वर ग्राम संगठन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से पांच वर्षों से स्वरोजागर पर कार्य कर रहा है। इस से जुड़ी 25 से अधिक महिलाएं एप्पल जेम, एप्पल चटनी, एप्पल साइडर विनेगर, सीबथोर्न स्क्वाश भी तैयार कर रही हैं।

ये उत्पाद चारधाम यात्रा मार्ग पर बिक रहे हैं। इस समूह ने गांव की ओर से 2023 में पीएमओ में उप सचिव मंगेश घिल्डियाल के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सेब का जेम और चटनी भिजवाई थी। इन उत्पादों की सराहना में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से धन्यवाद पत्र भी आया था।

लोगों की बदल रहे आदत

बीती आठ जुलाई से लेकर अब तक ये युवा 22 बोरे प्लास्टिकयुक्त कूड़ा एकत्र कर चुके हैं। यही नहीं, झाला बाजार की हर दुकान, होटल और गांव में घर-घर जाकर ये युवा लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं, ताकि कूड़े को इधर-उधर फेंकने के बजाय उसे अलग-अलग बैग में एकत्र करना सभी की आदत का हिस्सा बन जाए। इससे कूड़े को संग्रहण केंद्र तक पहुंचाने और उसकी छंटाई में भी आसानी रहेगी। अभियान में गांव के सभी लोग युवाओं का पूरा सहयोग करते हैं।

अभियान के दौरान कचरा इकट्ठा करते युवक मंगल दल के सदस्य • जागरण

ग्रामीणों को प्लास्टिक कूड़ा अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित कर रहे युवक मंगल दल के सदस्य • जागरण

"ग्रामीणों व व्यापारियों को प्लास्टिक युक्त कूड़े को तीन हिस्सों में जमा करने के लिए प्रेरित किया जा है। इसमें रैपर, प्लास्टिक बोतल और अन्य प्लास्टिक कचरा शामिल है।"

अभिषेक, अध्यक्ष, युवक मंगल दल, झाला

"युवक मंगल दल झाला की यह पहल सराहनीय है। इसी तरह की पहल अन्य गांवों में भी की जाएगी, ताकि गांव स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त हो सकें। ऐसे कार्य करने वाले ग्रामीणों व संगठनों को पूरा सहयोग किया जाएगा।"

जय किशन, मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरकाशी

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।